



ॐ नमो भगवते ॥ अथ सहस्रवली विधिरिति खग ॥ अथादि ॥ अथम ॥ यजमान नमस्तुभ्यं यथा
चक ॥ वाक ॥ ॐ अथादि ॥ यजमानस्य सहस्रवली इति या ० संयुक्तत्वेन सकसीय निष्ठाक विमध
क यनमा न्नाइ नित्यं कर्तुं ग्रीमालुलु नवा या धनिम ॥ पूष्य २ ॥ अथाद्यथा कलादि ० चायय
क ॥ यद्ममलुयाददि ० वलिद्वयं दातव्यं ॥ गगवदूक कलादि ॥ नासाद्यया तस्युजा ॥ ॐ ॐ सर्व
विष्णुकृद् ० सर्वरुगया वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ गृह्णामाक नद ॥ ॐ ॐ ३ गगयतय वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥

ॐ श्रीं पूष्य नक्षत्रीय कुरु नाक्षत्रीय निधन कुरुयालाय वलिं गुरु २ स्थाहा ॥ ॐ श्रीं नक्षत्रीय कुरु नाक्षत्रीय महाकाय कुरुयालाय वलिं गुरु २ स्थाहा ॥ १

ॐ वां ३ वदू काय वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ ॐ कं ३ कृण पाताय वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ ॐ यां ३ या निनी स्या
 वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ ॐ ~~मू~~ गी सिद्धि यामू लु ये वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ वक्रा न्धा दि ॥ रुतु का दि ॥ अग्नि
 गी गदि ॥ नू द व लु दि ॥ ॐ ऊ या दि ॥ वरु ष्य छि या निनी स्या वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ ॐ वं ह रे वलिं गृह्ण २
 स्वाहा ॥ वद ॥ ॐ अ स र्था गा ॥ श्री ल गी वा लि नि कं ८ ॥ ॐ ग म नां त्वा ॥ ॐ न मा व दू गाय ॥ ॐ घृ गं घृ त
 पा वा न ॥ ॐ या न व द स ॥ ॐ अ ष्व अ चिक ॥ ॐ वि ष्वा न च कृ त्त्त ॥ धू य ॥ ॐ धू न सि ॥ दी य ॥ ॐ ग जा सि ॥ ने
 व य ॥ ॐ अ न य ग ॥ य नि षा ॥ ॐ म ना दू नि ॥ जा य ॥ स्वा य ॥ ॐ मे य ॥ ॐ पू र्ण कृ मा र्ग ग ग ग ल गृ त्त्त कृ य र्थ

मधु

या निनी अ यामू लु य लु नू पां इ वि न रु य रु र्थ वि दू ना र्ग ग र्ग ॥ पू ष्या या धू य दी या मि षं व लि लि ग्य
 ॥ द्वि कारु षि गी व क र्ग य जि ग नां वि न य उ दू वि गं रु कि मू कि य दा गा ॥ अ र्ग ग म्हा दि ॥ न्या मा कृ त्त्त वि
 लि वि स कृ र्त्त ॥ कृ या ग न म लु य दाय का व कृ न स वा य ॥ कृ या ग न अ न ग य ॥ ॥ म लु य स अ वा र्था
 व न ल ॥ ध व नि अ लु कृ ल ड ड अ लु लि ग र्थ ॥ अ यामू लु व वि ष्या य ग म्हा र्थ मा य ॥ ॐ काम ना र्थ स कृ
 मा व र्त्त इ र्त्त मा हा म्हा पा ० र्त्त पू र्त्त य र्त्त क र्त्त अ वा र्थ व न त्वा म र्त्त व लो मि ॥ अ वा र्थ व ॥ वृ षो मि ॥
 य नि व र्त्त ॥ ॥ ग ग ॥ य र्त्त ग व सा ध र्त्त ॥ मा ल दा स न या य ॥ यी न वृ लू न य र्त्त का र्त्त लि ख र्त्त ॥ ग म
 र्त्त ग म्हा र्त्त स र्त्त ॥ य पि की न र्त्त य र्त्त ॥ य ती यामू लु य यामू लु य र्त्त ॥ य ती यामू लु य यामू लु य र्त्त ॥ य ती यामू लु य यामू लु य र्त्त

भननूचिनायूषदावा ॥ ॐ नमनयथासंख्यं ॥ गमयाद्यालिमक्रयन् ॥ पूर्वपूर्वक्रियद् ॥ ग्यं
 लमक्रमक्रमूदीनयन् ॥ कृ ॥ गमयककुगयणा ननसंहितायाधवा ॥ यश्चनयमिजिपाकं महापाग
 कनागनं ॥ गमयस्याहमहु ॥ गमयपलसंमिगं ॥ यलद्वयं दृगस्याकं मानंदध ॥ यल्लयं ॥ य
 लालि यश्च दृग्यं स कृगमयलमागिकं ॥ कृष्णया ॥ गमयं मूर्त्तं नीलाया ॥ कविलाद्यं ॥ सूत्ररीदधि
 उक्ताया ॥ गमाया ॥ कीवमाहवन् ॥ अरुवसर्ववदूनांकविलेकायगम्यात् ॥ ॥
 उं अद्यादि ॥ न्यासाद्यपाणयूजा ॥ यन्विमं ॥ गमयं ॥ उं कांसयाजागायनम ॥ उं ग
 धेद्वानां ॥ उरुयं गमयं ॥ उं कीवामदवायनम ॥ गमयणी ॥ दक्षिणद्यं ॥

तीन	दाध	गमयलिं
गुम	वक्र	द्यं
रुदक	गुम	पृथ

उं अद्यानायनम ॥ उं गजासि ॥ पूर्वदधि ॥ उं कृं गत्यनूयायनम ॥ उं दधिकावा ॥ ॐ ग
 नदृग्यं ॥ उं कृं ॐ गनायनम ॥ उं यय ॥ दृधियां ॥ अ ॥ नय ॥ गमयलिं ॥ उं कांसयाजिवायशं
 नैर्जस्ययूष्यराजनं ॥ उं ग्रीदवगायेनम ॥ उं ग्रीग्यात् ॥ वायधकृ ॥ गमयकं ॥ उं वरुददवगाये ॥
 उं वरुदस्थारुम् ॥ म ॥ धवक्रपारं ॥ उं वक्र ॥ दीनम ॥ उं वक्रयसूनें ॥ गमयणीनजाय ॥ १० ॥ उं सया
 जागायविग्रहवामदवायधीमहि ॥ गनाधान ॥ यथादयात् ॥ ॥ वक्रपाणसमूने ॥ कीवादि ॥ पूर्व
 कमकुल ॥ मित्रयन् ॥ उं सर्वयामिसमायडाधधीलि ॥ समोषधयानसनस ॥ नवगी ॥ उं गती ॥ लि ॥

उं जिधाना
 नासि ॥

दृष्टां ० स मधु मगी मधु मगी लि ४ दृष्टां ॥ ॥ अला उ नं ॥ उं उ न य खे त्वा स यो मी द म (न
 वि द म (न वि द म नी धा म या वि ष त्वा द म्मा सि वि ष्वा य नू य थ उ नू य थ स्वा नू य थ य नू य नि ४ य थ ग
 म नि कृ त्व र्व मा हि ० सी द व स्त्वा स वि गा य य य नू व वि कृ धि ना क ॥ ॥ व न ना दि यू जा धू य दी य
 जा य कृ त्वा ॥ उं नि म लं का य नू या नि व कृ कृ नं नि व रू ण ॥ उं द्या ग पा य र्व सां च वि कि रं व कृ कृ पि र्वा ॥
 अ न ग म्मा दि ॥ ॥ य श्र ग य वि रु गं का य थ ग ॥ द वा नि थ ज मा न र्थ ॥ उं क र्वा ग न (ग म य लि कृ त्वा
 नं ॥ व न ना दि द नी स म ग व कृ धू य दी य ॥ व द ॥ उं स य जा ग ॥ मु नि ॥ ग म य लि गं कृ पा य स र्व धा
 य य न नि न । स र्व द ह य वि ग य न त्व नू या य न न म ॥ अ न ग म्मा दि ॥ ॥ य ज मा न र्थ ४ य श्र ग य द

कं ३

वं ३

रं ३

अं ३

आ न् ॥ उं वा र्व म लु म्मा नि ॥ उं म न कृ अ य य गी ॥ उं त्व म (न दू रि ४ ॥ ॥ उं नि य श्र ग य वि धि ४ ॥ ॥
 ग न ४ यी ग दू (न न व का र्थ लि खि त्वा न व व लि द द न ॥ न्मा सा दि ॥ उं न्मा ॥ उं द्य दी पा य व लि र्वा कृ २ स्वा हा ॥
 उं न्मा ॥ क (न द्य दी पा य व लि र्वा कृ २ स्वा हा ॥ उं न्मा ॥ ग म द्य दी पा य ॥ उं न्मा ॥ ग रु सि द्य दी पा य ॥ उं न्मा ॥ गं ना
 ग र्वा द्य दी पा य ॥ उं न्मा ॥ र्व सो य द्य दी पा य ॥ उं न्मा ॥ र्व यं ग य र्व द्य दी पा य ॥ उं न्मा ॥ गं वा नू ग द्य दी पा य ॥
 म (ध ॥ उं रु रु उं र्वा को मा न द्य दी पा य ॥ र्व कृ म्मा दि ॥ अ नि ग म्मा दि ॥ र्व रु रु का दि ॥ व द ॥ उं
 ग व न र्वा ॥ उं अ न्मा अ चि क ॥ उं वि ष ग य रु नू ग ॥ उं द नं द न पा वा न ॥ उं अ न्मा वा च द पि ॥ उं उ र्वा

[illegible]

ॐ नमः ॥ न्यासः ॥ ॐ ह्रीं ह्रदयाय नमः ॥ एधीस्त्वापने ॥ ॐ हिनन्धनर्कः ॥ ॐ एधि
 योनमः ॥ ॐ ह्रनसिरुमिनस्य दिगि न सि विवधया विवधस्य रुवनस्य धर्मी एधि वीं य
 ऊ एधि वीं ह्र ॐ एधि वीं मामाहि ॐ सी ॥ ॥ कृणादकनसिश्चने ॥ ॐ गत्वा यामीनि ॥
 यश्च गयानसिश्चने ॥ ॐ स्वमन्त्रयूहि ॥ अर्घ्याणादकनसिश्चने ॥ ॐ दवस्यत्वा ॥ न
 थपूजनं ॥ ॐ सफयूश्चकि ॥ वदिस्त्वापने ॥ ॐ वदा सिधुनत्वं ॥ पासादपूजनं ॥ अस्तु
 कर्ण ॥ ॐ दवस्यत्वा ॥ ॐ वाह्वधियगयवक्त्रेण नमः ॥ ॐ यत्वा मूर्च्छामिव नृणामा

नीगनत्वावधमिस विगासूकदधातु ॥ अस्मिन्नाकसूकगवलाकस्वानमसरुय
 त्याकनामि ॥ ॐ श्री ४ गं नि ४ ॥ य नि ४ ॥ ॥ गगं पीगवृत्तं निमगुल्लयं ॥ दकवीहि ॥
 ॐ गं नि काय नि वासु मूरुय नम ॥ ॐ वीरुय नम ॥ ॥ वामलाजा ॥ ॐ पूष्टिकाय वि
 षु मूरुय नम ॥ ॐ ॐ दं विष्टु ४ ॥ म ॥ धर्ममाऊनी ॥ ॐ सच्चि विष्टु नागय वृक्ष ॥ नम ॥
 ॐ वृक्ष यज्ञानं ॥ ॥ वीहियुक्तयदी ॥ ॐ वीरुय नम ॥ लाजायुक्तयदी ॥ ॐ स्वस्तिन ॐ ॥
 वामरुक्ता नार्धपाय नि वृक्षगृहीत्वा सीमाऊनीया सीमाऊनी कत्वा दक्षिण वरुनि मूल

कलगाययर्थी ॥ ॐ वायूवायाहि वीगयगृहा ॥ ॐ रुक्तादागय ॥ य वि ॥ ॐ रुक्ता
 धामसू ॥ ॥ ॐ मय तिर्गयुव जामे ॥ ॐ वीकाय निष्ठा यथग ॥ ॐ नासन युजनं ॥ ॐ
 नम ॥ ॐ रुक्तायव ॥ ॐ निमले पालं रुन विधि ॥ ॥ गगानिनेग कि कलगा चने विधय
 ग कुभल ॥ यजमानन ॥ अथादि ॥ ॐ यार्धि ॥ ॐ व्यराजनं ॥ वासु मूरुय नम ॥
 व्यर्ग ॥ वासु ॥ ॐ अथादि ॥ ॐ नूनमस्तान नासा र्धपाय युजा ॥ मूलकल ॥ गं
 ॐ दकं गं रुन युनय ॥ ॐ ॐ मभर्ग ॥ ॐ वृक्ष यज्ञानं ॥ ॐ ॐ दं विष्टु ४ ॥ ॐ नि वा

॥ नमो भगवते ॥

[illegible]

[illegible]

× वक्रन्यास॥ ॐ ह्रीं नमो नायडुर्देवकाय २॥ यंगत्पूत्राय पूर्ववकाय २॥ नमो अष्टाभाय दक्षिणवकाय २॥ वंतामदेवाय उक्त
 वं॥ २४ नमो॥ मूलनक्षत्रसंज्ञाय॥ स्नायथ॥ चन्द्रनाक्षत्रयुक्ते वय॥ शिवलनाय मन॥ न्यासयू
 र्वव॥ ॐ मनर्थयाण्युक्ता॥ हनस्तुति॥ ह्रीं निवृत्त्यै ह॥ हूं रुद्र॥ ह्रीं विष्णवे ह॥ हूं रुद्र॥ ह्रीं विष्णवे
 ह॥ हूं रुद्र॥ ह्रीं शिवाय ह॥ हूं रुद्र॥ ह्रीं शिवाय ह॥ हूं रुद्र॥ ह्रीं शिवाय ह॥ हूं रुद्र॥ ह्रीं शिवाय ह॥ हूं रुद्र॥ ह्रीं शिवाय ह॥ हूं रुद्र॥
 यश्च नयनं दर्वः कठामूकमलुंगं॥ यद्वकाटियमीकासं॥ चन्द्रार्द्धकमलुंगं॥ यश्च वक्रं
 विष्णुलादं सूर्य॥ नमो नमो मलुंगं॥ यद्विक्रमं विवर्णं॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥
 हनस्तुति॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥ ह्रीं रुद्र॥
 नवकायनमः॥ लं सदा जाताय पश्चिमवकायनमः॥ ॐ निवक्रन्यास॥ ॐ

[illegible]

सनाय २॥ ह्रीं धर्माय २॥ ह्रीं ज्ञानाय २॥ ह्रीं वेनाय २॥ ह्रीं नेष्याय २॥ ह्रीं अर्धमाय २॥
ह्रीं अज्ञानाय २॥ ह्रीं अवेनाय २॥ ह्रीं अनेष्याय २॥ ह्रीं अलब्धदाय २॥ ह्रीं अशुद्धदाय २॥
ह्रीं सामवदाय २॥ ह्रीं अथर्ववदाय २॥ कृतयुगाय २॥ शतायुगाय २॥ द्वायुगाय २॥ क
लियुगाय २॥ शिवमूर्त्यनमः ॥ यागिनीयुक्तं ॥ ह्रीं वक्रादि ॥ ह्रीं वादिमो ॥ ह्रीं क
यादि ॥ अक्षरे नवयुक्तं ॥ ह्रीं ह्रीं कयाली ॥ महांते नवाय २॥ ह्रीं ह्रीं शिववादनमः
ह्रीं नवाय २॥ ह्रीं ह्रीं मन्मथमहांते नवाय २॥ ह्रीं ह्रीं काधवाक्रमहांते नवाय २॥ ह्रीं ह्रीं

५३

विकलोलमहांते नवाय २॥ ह्रीं ह्रीं सामनाक्रमहांते नवाय २॥ ह्रीं मयनादमहांते नवाय २॥ ह्रीं
विद्यानाक्रमहांते नवाय २॥ ॐ तिहेनवाक्क ॥ ह्रीं ह्रीं सेनमहांते नवायनमः ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं
शिवसनायनमः ॥ ह्रीं शिवमूर्त्यनमः ॥ ॥ यूनह्यनी ॥ श्रांतिरुदययादि ॥ ह्रीं ॐ ह्रीं ह्रीं कयाल
वक्र ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ज्ञानाय २॥ ह्रीं यंत्यूनवाययूर्ध्ववक्राय २॥ ह्रीं अधानाय ह्रीं नवक्राय २॥ ह्रीं
वैवाद्यवाय उरुनवक्राय २॥ ह्रीं लं स्याजानाय यधिमवक्राय २॥ ह्रीं ह्रीं अधानाय सवाय २॥
नवय ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं यूर्ध्वया ॥ ॐ आ ॥ न्यायि यूनानक ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं वतार ॥ अग्नि त्रिधा वनेम
न ॥ काला ह्रीं वान ॥ लयी ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं कयालिनी ॥ उरुनवक्रयादनु ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं मयनय ॥ ह्रीं

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

बलिर्वृत्तिः ॥ ६६

[illegible]

३२

तृतीय॥ वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥

सदाशिव वृषरासन सिंहासन नकाछुक्क पातता आनी ॥ पूर्ववत् ॥ अघात्रतसरु ॥ शुअरिनी ॥ इउका
दि ययामादि ॥ अगिता मादिव द्वा आदि ॥ उने जधी कडिक ध्वनान चनाथधी कडि का गकि य
नामाया यू ॥ वउ र्क्यय र्क्य पूर्ववत् ॥ धमतमंतलि ॥ निर्द्धानमान कावलिसरुधन ॥ अर्धाचम
नचंदे सिंदूना दतयू र्णी पूर्ववत् ॥ ॥ यरु ॥ आसन पूर्ववत् ॥ आमभूलाघान ॥ शुअरिनि हय्या दि पूर्व
वत् ॥ ॥ वे लिखल ॥ ऊँ ओषधी ॥ धी दा रिं धा दनी ॥ सुं सुरु मध्यनी ॥ सो सिद्धि रुगवती ॥ सिद्धि
लक्ष्मी ॥ वे कूं मुं वे लिय नरे ना वा यया यू ॥ ऊँ लिय नमुन्दरी या यू ॥ उने ऊँ को सौ सोम्यस ॥ श्री

गुहाधाम कुरु कुरु, सिद्धिं वरुणमवत, त्वत्प्रसादात्कुरु कुरु ॥

स्वर्गीयायूरासर्वेष्ववलिं ॥ शुभं गयतयनमंत्रं विष्णुं आदिनाथं वद ॥ वलिं ॥ सु
योदिनानायकसदाधिवमासका ॥ आवाहनादि ॥ मूलाद्यावशवलिं ॥ आवाहनादि ॥ मूलज्जाया ॥
उं वैजमिहनाय विद्महे धीनाथाय धामहि ॥ गन्नालक्ष्मीयथादया ॥ अथवा ॥ उं वैजसिद्धिर्ना
थाय विद्महे धीकृष्णाय धामहि ॥ गन्नालक्ष्मीयथादया ॥ अथ समर्थय ॥ गुह्यात्तु
शुभं गयतयनमंत्रं ॥ धीसुखं ॥ उं अम्बुअम्बिक ॥ विन्दुं उं वैजयिनी चक्रमधश्च मा
हमल्लवशिर्षं नमामि सिद्धिं सानाथं श्रेयं श्रेयं ॥ उं वैजअम्बुयूवं ॥ अरुणकं ॥ उं
यानिमडा २

कार्त्तवायू ॥ उं वन्दनीयं यितं ॥ सिद्धं यथा ॥ श्रीमानसहाध्यात्रिणि ॥ अथवा यदन ॥ न्यास ॥ नि
र्मात्ययुयुजा ॥ उं वैजकलये ॥ लुब्धरायकलये ॥ लुब्धवीरुदिताय यादुका ॥ अरुणवलिः
विशर्जनं सदा नमो ॥ आयस्य सूर्यासादि धनयोर्मलका ॥ नूनिनिकर्म ॥
१३ नमो विष्णवे ॥ गिरिवनाचमनं यथानगल ॥ यूनय ॥ श्री ॥ न्यास ॥ उं हं स नमः दीक्षादी
कय रुअमुय रुट् ॥ ३ ॥ उं हं नमः ॥ विश्वा ददयाय नमः ॥ उं हं नमः ॥ यनवक्त्राणि सखा ॥
उं नमः ॥ यथा विनिविश्याये वीर्य ॥ उं हं नमः ॥ अष्टगं स्रज्जकव वायदं ॥ उं हं नमः ॥ यको ॥

र गि व थार्थे छि ल पू ज ॥ न्या स वि । गि व ॥ अर्घ्य पाणि पू ज ॥ आ ध्या ना धा दि ८ ॥ उं न मा रु ग व त स क
ल गु णा म् । कि यू क्रा या न का य था ग वी ज स न न म ॥ ॥ न ॥ मूल मन्त्रे न श्रु ति ॥ ॥ उं ॥ ग
ना य न म ॥ उं ग यू रू पा य न म ॥ उं अ ध्या ना य न म ॥ उं वा न द वा य न म ॥ उं स धा जा ना य न म ॥
हु य या मि ॥ ग द्वि हि ॥ रु व, ग र्व, रू ड, प रु प ति, उ र्व, ग र्व, रु व, रू ड, उ य, गी म, प रु प ति
म हा द व, शा म, ॥ अ न क, रु अ, मि वा रु म, मि वा रु म, ए क न य, ए क रू ड, वि म र्ति, श्री क र्म, मि र
॥ ग द्वि हि ॥ उ मा यी, व लु ग्व न, न दि, म हा का ल, ग यी म, वृ ष ण, रु ग नी ठ, रु न्य, ॥ ॥ ॥ ॥

वेद ॥ उं स आ जा गा क ॥ उं न म ण ॥ वा य व ॥ उं शी व र्क ॥ उं न म र्क नू द ॥ मा सा दि य का दि ॥ धू य
दी य ॥ भ ने व श म ना रू क्रि य नि ष्ट ॥ का प कु ल ॥ अ र ग धा दि ॥ ॐ न म र्क नू द ॥ ॐ न म र्क नू द ॥
दू व क ल स वृ णा ॥ ॐ न म र्क नू द ॥ ॐ न म र्क नू द ॥ ॐ न म र्क नू द ॥ ॐ न म र्क नू द ॥ ॐ न म र्क नू द ॥
व ॥ शु म्भ क ॥ ॐ न म र्क नू द ॥ ॐ न म र्क नू द ॥ ॐ न म र्क नू द ॥ ॐ न म र्क नू द ॥ ॐ न म र्क नू द ॥

हं

हं नमः ॥ निवाय ॥ आवमनी ॥ उं अयादि ॥ अस्मदत्तं वसदा निवपनिष्ठा वर्षव
र्द्धन कर्मलिनिवगकि कलगावर्द्धन कर्तुं प्रीत्याया धानिमः ॥ गुत्र नमस्तान ॥ न्या
सः ॥ उं हं ॥ अक्राय रुद्र ॥ ३ ॥ कनगाधनी ॥ हं हं दयाय ॥ हं निनसुखा ॥ हं निखा
ये वीष ॥ हं कवचाय ॥ हं ॥ अक्राय रुद्र ॥ गने वाङ्मयासि ॥ गने वाच्यपाय पूजा ॥
आत्मपूजा ॥ मूलनयूष्य ॥ उं अथावगकथ ॥ उं हं अनकासनाय ॥ हं हं न्या
य ॥ हं नाताये ॥ हं पद्माय ॥ हं पशाय ॥ हं कनगाय ॥ हं कर्तुकाय ॥ हं

धर्माय ॥ हं हं नाय ॥ हं वेनाग्याय ॥ हं वेव्याय ॥ हं अधर्माय ॥ हं अह
नाय ॥ हं अवेनाग्याय ॥ हं अनेव्याय ॥ हं अधःकुन्दाय ॥ हं उद्धकुन्दाय ॥
हं हं ॥ अयादि ॥ हं हं अयादि ॥ हं ह्यमलुलाय ॥ हं हं ममलुलाय ॥ हं वक्रिम
लुलाय ॥ हं अखलुमलुलाय ॥ हं गुत्रमलुलाय ॥ हं सिंहासनाय ॥ हं पद्मास
नाय ॥ हं वृषासनाय ॥ हं हं निवाय ॥ हं वामाय ॥ हं कृष्णाय ॥ हं मोक्षाय ॥ हं
काशाय ॥ हं कलविकनल्ये ॥ हं वलविकनल्ये ॥ हं वलपमथये ॥ हं सर्वरुग्दम
ये ॥ हं मनोमये ॥ हं विद्यादेहाय ॥ हं निवासनाय ॥ हं हं गकथ ॥ अहं लि

आदिवादि॥ हृदयादि॥ पञ्चलोकपाल॥ पञ्चवक्त्र॥ आसादि॥
रुदयादि॥ जाय॥ नमस्तुभ्यो॥ सुप्र॥ वनोपधीति॥ अजगन्मादि॥ ॥ सगुणार्चने॥
नास॥ अथत्तमादि॥ षोडशवल्ल॥ जापस्तु॥ अजगन्मादि॥ ॥ गणगपूजा॥ नास
ग॥ अथत्तमादि॥ गणदयायति॥ अथत्तमादि॥ आध्यात्मिक॥ मन्त्रासनोप॥ ध्या
न॥ उमहामन्त्रासनोप॥ दर्वपुत्रवर्धन॥ पञ्चगव्य॥ अथत्तमादि॥ मन्त्रलोकपाल॥ कथायुक्त
॥ नागयक्षपवीरक्षनागरुवदरुषिर्ग॥ उर्वध्यात्वाग॥ दर्वपुत्रवर्धन॥ मन्त्रासनोप॥ उमहाम
नीमू॥ गणदयायति॥ अथत्तमादि॥ वलि॥ रुदयादि॥ गणत्वा॥ जाय॥ सुप्र॥ ॥ अथत्तमादि॥
पूजा॥ नास॥ क॥ अथत्तमादि॥ गणदयायति॥ कर्नागनासाध्यायपूजा॥ आध्यात्मिक

कथय्यादि॥ कन्यासनाय॥ ध्यान॥ पञ्चवक्त्रवक्त्रकण्ठविन्दु॥ विंगलान्न॥ दंष्ट्राक
नालमन्त्रकपालारु॥ अथत्तमादि॥ कर्नागनासाध्यायपूजा॥ अथत्तमादि॥ वलि॥ रुदयादि॥
कर्नागनासाध्याय॥ सुप्र॥ ॥ गणदिवलिपूजा॥ नास॥ गणदयायति॥ गणनीमू॥ गणपत
यनम॥ वलि॥ ॥ अथ॥ वदक॥ ॥ पञ्चवलिपूजा॥ मन्त्रासनोप॥ ध्यान॥ वक्त्रकामन
धर्वदर्वनकवर्धन॥ उकास्मन्कनकपुत्रविंगकण्ठक॥ दंष्ट्रालोकपालककिकया
लन॥ गणपति॥ आलयक्षपवीरक्षविघ्नविक्रयकावक॥ दंष्ट्रालोकपालकमन्त्रासनोप॥ कर्नागनासाध्याय॥
गणकास्मन्कनकवर्धन॥ ध्यान॥ गणत्वा॥ जाय॥ सुप्र॥ ॥ अथत्तमादि॥ वलि॥ रुदयादि॥
॥ अथ॥ नवासनोप॥ ध्यान॥ स्वस्मान्कण्ठकालक्षसेवक॥ अथत्तमादि॥ ॥ अथत्तमादि॥

[illegible]

मृगुं वलुं नृयाश्च धावदस्यो कवालिनी । न कवर्धनी देवी जवाकसुमसै निरां ॥ दातिमीप्रथमैका
गां स्वयंकाटिसमप्रतां । विद्वन् विनैकगी वनकाकीचरिलावनां । सुकाकैकालनृपाश्च उद्वेकगी
वठुठुगी । सव्यसर्वाङ्गरुपां गीलावारुनगरुषिगां । मृगुमालाधनी नोडी व्याघां उकटिखषगां । ख
नृखटकदसुखैः उमनृखदाङ्गमवव ॥ कलिकपालधानीश्च खगदरुस्त्रिगधनी ॥ एवैश्चात्रामडा
दवीं वचिकाश्च नमामुग ॥ कुम्भीणी सिद्धिवा मृगुये ॥ शुं ऊलि ॥ वलि ॥ जयादि ॥ ॥ गं (गं) ॥ मृया
सनाय ॥ धानै ॥ गऊवकैक ॥ दकय्यैवगवर्धुयुठु ॥ दलुपय्यैकपाशश्च नागयक्ष्मापवीकवा
नृ । नानारुवगं गं राद्य ॥ उलिलो कसुमलिमान् ॥ मृषासनागलनाथ ॥ सिद्धिदय्यनमीमुग ॥ उमैगीगुं

मगनुसमयद्विविधा निनीनां ॥ सागा रुवीरु वरुकापिममाद्यवस्था अस्यापुना विनययकुजम
वदव ॥ नन्दकुसाधका ॥ सिद्धा ॥ नन्दकुसलया निन ॥ नन्दकुसाधका यार्था यथा यकलदीपि
का ॥ दहिन ॥ सुखिन ॥ सुकु सुखानि सुकुद वगा ॥ यसी दनुसग वगव वनदी जीवधा विदी ॥
रुगिविदु ॥ ॥ अश्वयुवगर्ग ॥ अरिषक ॥ न्यास ॥ वलिविसर्जन ॥ सुखसाग्री ॥ आवमनी ॥ ॥ मि
दगवलि विभि ॥

२ पी वलुका येनम ॥ नासियु ॥ नवात्ममकुं न्यासा यणयुजा ॥ आत्मयुजा ॥ आधना ॥ दि
आसनयुजा ॥ महादुष्टा सनायेयायु ॥ ध्यान ॥ यश्रयणा सनायवी वनदारुयया निनी
नाना नुयधनायवी नानागमेक ॥ अरिगा ॥ वरुवरुका वरुयुजा वरुव्या महालव
ना ॥ विष्टे नुयामरुगानी नीलक विगमृदुका ॥ यथा रिमगनुयां वा महालक्ष्मी निर्ग
स्मय ॥ सिगहा वरुसद ॥ पिष्ट वरुका विलावनी ॥ दगदादुसहिगा नाना युध
कवायगा ॥ वक्रा वरुमवनीयवी स्मयत्स वरुस्वयदी ॥ विकामगि निर्गदिवी विनि

[illegible][illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ अहिरुचिर्वादिष्टादि ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २

यान्ति तद्वत्कृष्णस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३
तद्वत्कृष्णस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४
तद्वत्कृष्णस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५
तद्वत्कृष्णस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६
तद्वत्कृष्णस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७
तद्वत्कृष्णस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८
तद्वत्कृष्णस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९
तद्वत्कृष्णस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ३ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ४ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ५ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ६ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ७ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ८ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ९ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतार्थं ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ४ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ५ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ६ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ७ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ८ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ९ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतार्थं ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ४ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ५ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ६ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ७ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ८ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ९ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥ १० ॥

[illegible]

۳۵۸۲

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कुरु मे प्रसादात् सदा यथाज्ञानं चित्तम् ॥
 त्वत्पदमेतन्मया पूज्यते नरनाथ ॥
 त्वत्पदमेतन्मया पूज्यते नरनाथ ॥

[illegible][illegible]

上上同安

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥

श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ २१ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ २२ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ २३ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ २४ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ २५ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ २६ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ २७ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ २८ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २९ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३० ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ३१ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ३२ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ३३ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ३४ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ३५ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ३६ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ ३७ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ३८ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३९ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४० ॥

[illegible]

人生

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

1511 1512 1513 1514 1515 1516 1517 1518 1519 1520

[illegible][illegible]

[illegible]

इति स यदुक्तं । वागैरुक्तं । मनो गतं दृष्टी सा चिद्वद्वैतकस्यैव पाठिह । अथ ह्यद्वितीयं ।

(तुम) सुविधः दुर्गप्रप्रायवाप्तदक्षिणयात्रिजयित्तुल्यसंध्यस्तृत्तांच

स्वायम्भुवमकार्य ॥ ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमायुधं ॥ ४ ॥
 अर्जुनो द्रुपदपुत्र उवाच ॥ ५ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ११ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १२ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २० ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २१ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २२ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनि
 उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पांडवाश्चैव ततः ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कुरु मे प्रसादं सर्वभूतहिते रतम् ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनपात्रः
 शूरा मया संवित् ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यो नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभक्त्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशभक्त्यो नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णुभक्त्यो नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवभक्त्यो नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्मभक्त्यो नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वरभक्त्यो नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणभक्त्यो नमः ॥ १८ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यो नमः ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यो नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभक्त्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशभक्त्यो नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णुभक्त्यो नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवभक्त्यो नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्मभक्त्यो नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वरभक्त्यो नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणभक्त्यो नमः ॥ १८ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यो नमः ॥ २० ॥